साक्षात्कार करने के बाद सबको विश्वास होता है और परमात्मा के करीब जाने का मन करता है। साक्षात्कार इतना आकर्षक था कि मेरा मन गदगद था और उसमें श्री कृष्ण और श्री विष्णु का साक्षात्कार करने के बाद तो मेरा मन एकदम आतुर हो गया, भगवान से मिलने को। एक तरह से आप कह सकते हैं मेरा जन्म साक्षात्कार से हुआ।

मेरे दिव्य अलौकिक जन्म का आधार साक्षात्कार

जब मैंने अपने साक्षात्कार की बात अपनी बहन को सुनाई, जो बाबा के पास जाती थी तो उन्होंने कहा चलो मैं ले चलती हूँ। एक बाबा है जो ज्ञान देता है और वहाँ का अनुभव तो बहुत अद्भुत होता है। जैसे ही मैं बाबा के पास पहुंची। मैंने देखा वहाँ, जैसे हमारे पांडव भवन में इन्द्रप्रस्थ के पास जहाँ मैं रहती थी इतना ही कमरा था, जहाँ बाबा गीता सुना रहे थे। आठ-दस बहनें वहाँ बैठी थी जो सुन रही थी। जब मैं वहाँ पहुंची तो उसी समय एक बहन को साक्षात्कार हो रहा था और वो बोल रही थी कि विमान जा रहा है, 'चलो विमान में चढ़ो-चढ़ो। वे शब्द दूर से ही सुनाई दे रहे थे मेरे कानों में। जैसे ही हम पहुंचे तो साक्षात्कार करने वाली बहन ने कहा कि विमान पर चढ़ो-चढ़ो। तो उस समय हमें अनुभव हुआ जैसे कि हमारा शरीर अलग है। ऐसा महसूस हुआ और लगा कि मैं भी उस विमान पर चढ़ के जा रही हूँ बाबा के पास। और मैं देखते ही देखते कहाँ खो गई यह पता ही नहीं चला कि उस समय रात्रि के दस बजे थे। जब मेरी आँख खुली तो देखा कि बाबा की गोदी में हूँ, इतनी देर हो गई कि बाबा कहने लगे कि बच्चे कल आना।

बाबा का घर अलग था, जिसको यशोदा निवास कहते थे। ओम मण्डली उसी का बाद में नाम पड़ा। दूसरे दिन जब मैं बाबा के पास गई तो बाबा मेरे को उसी रूप में दिखाई देने लगे जो मैंने साक्षात्कार किया था। मुझे लगा मैं आत्मा भी लाइट होती जा रही हूँ, आकारी रूप लेती जा रही हूँ। बाबा भी ऐसा, मैं भी ऐसी, ऐसे देखते मुझे नशा चढ़ गया। तीसरे दिन मैं जब बाबा के पास गई तो मैंने मम्मा को देखा। मम्मा ने इंग्लिश गर्ल फ्रॉक पहना था क्योंकि मम्मा सिर्फ इंग्लिश का पीरियड लेती थी और वो गीत भी गाती थी। उस दिन मम्मा गीत बनाकर लाई थी और साथ में सितार भी लाई थी। जो गीत उन्होंने लिखा था उसके शब्द अच्छे थे और मम्मा का गला भी बहुत अच्छा था। उस गीत में मम्मा ने बाबा के साथ का अनुभव लिखा था कि मैंने बाबा को एक ऋषि की तरह देखा और उसने बाबा को सुनाया। मम्मा, बाबा के सामने बहुत साधारण वेश में आयी थी। बाबा ने कहा कि कुमारी को शादी करने से पहले वनवाह में बैठना होता है। बाबा ने कहा तुम वनवाह में हो। इसके बाद ही भगवान से शादी करनी है। इसके लिए तुम्हें अपना स्थूल श्रृंगार छोड़ नया श्रृंगार दिव्य गुणों का, शक्तियों का करना है। इसके बाद मुझे बाबा ने सात दिन का कोर्स कराया।

- क्रमशः

रामपुर रोड-हल्द्वानी(उत्तराखंड)। शिव जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए ब्र.कु. नीलम बहन, ब्र.कु. सुनीता, हल्द्वानी महापौर गजराज सिंह बिष्ट, डॉ. रेनू शरण,समाजसेविका, समरपाल,विश्व हिंदू परिषद, मधुकर छोत्रिय,पूर्व पार्षद तथा अन्य।

दिल्ली-लोधी रोड। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड मंदिर में आयोजित 'भय से मुक्त नये भविष्य की ओर' विषयक महासभा के बाद समूह चित्र में अंबु दिल्लीज उपाध्याय, प्रबंधक राजयोगी ब्र.कु. पीयूष, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. गिरिजा दीदी तथा अन्य।

दिल्ली-इंद्रपुरी। रामनवमी के उपलक्ष्य में सेवाकेन्द्र पर आयोजित कार्यक्रम में सभा को सम्बोधित करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. बाला।

खुशखबरी...

आ गई शिव संदेश और राजयोग कॉमेन्ट्री की नई कुंजी...

हम सभी जितने भी जिज्ञासु या आगंतुकों से मिलते हैं तो उस समय होता है कि कुछ इनको परमात्मा के बारे में बताया जाये,तो वैसे तो हम बताते ही हैं लेकिन उसके साथ-साथ कुछ लिखित सामग्री अगर दी जाये तो उसको पढ़कर उनके अंदर उसे जानने की जिज्ञासा और बढ़ जायेगी। इसी ध्येय को लेते हुए हमने 'परमपिता परमात्मा शिव का संदेश' और परमात्मा से सहज योग के लिए 'राजयोग मेडिटेशन कॉमेन्ट्री' की एक ज़ेबी किताब या पॉकेट बुक डिज़ाइन किया है जो बहुत ही कारगर है। जिसमें परमात्मा का पूरा संदेश और उनसे मिलन मनाने की सहज विधि के लिए अभ्यास करने की कॉमेन्ट्री भी है। आप इसे ओमशान्ति मीडिया,शांतिवन से प्राप्त कर सकते हैं।

ओमशान्ति मीडिया,ब्रह्माकुमारीज़,
आनंद भवन,शांतिवन,आबू रोड(राज.-307510)
मो.- 9414154344, 9414006096, 9414182088
ई.मेल - omshantimedia@bkivv.org

खारा रामपुरा-राज.। ब्रह्माकुमारीज़ के वैल्यूएबल बेस्ड एसोसिएटेड रेडियो, रेडियो मधुबन 107.8 एफएम की तरफ से पैड ब्लॉक के 'खारा' सरकारी स्कूल में आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी के माध्यम से विद्यार्थियों को जागरूक करने के पश्चात् समूह चित्र में मनोवैज्ञानिक रिपोर्टर आर.जे. ब्र.कु. पवित्र, अध्यापकगण एवं विद्यार्थीगण।

बालीचौकी मंडी-हि.प्र.। ग्रामीण वासियों के लिए आयोजित नशा मुक्ति और राजयोग पथ प्रर्दशनी द्वारा समझानी देने के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. दक्षा, विकास खंड बालीचौकी अंकेक्षण अधिकारी पवनी ठाकुर तथा अन्य।